

एनएएस 2017

राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण

कक्षा: 3, 5 और 8

त्रिपुरा राज्य अधिगम रिपोर्ट



राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) 13 नवंबर, 2017 को पूरे देश के सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में कक्षा 3, 5 एवं 8 के लिए आयोजित किया गया था। सर्वेक्षण उपकरणों के अन्तर्गत गणित, भाषा, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में कक्षा 3 एवं 5 में 45 प्रश्नों और कक्षा 8 में 60 प्रश्नों की बहु परीक्षण पुस्तिकाओं का उपयोग किया। योग्यता आधारित परीक्षण प्रश्न, एनसीईआरटी द्वारा तैयार अधिगम प्रतिफलों को दर्शाते हैं, जिन्हें हाल ही में भारत सरकार द्वारा शिक्षा का अधिकार अधिनियम में शामिल किया गया है। परीक्षण प्रश्नों के साथ विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्कूलों से संबंधित प्रश्नावलियों का भी उपयोग किया गया था।

सभी 36 राज्यों/केन्द्र शासित क्षेत्रों में 701 जिलों के 1,10,000 स्कूलों के 22 लाख विद्यार्थियों के अधिगम स्तर का आंकलन किया गया। इस सर्वेक्षण के निष्कर्ष राष्ट्रीय, राजकीय, जिला एवं कक्षा स्तर पर शिक्षा नीति, योजना निर्माण तथा कार्यान्वयन में बच्चों के अधिगम स्तर में गुणात्मक सुधार लाने हेतु मार्गदर्शन करने में सहायता करेंगे।

मुख्य अंश

**कक्षा 3 में विषयवार सही प्रतिक्रियाएँ
औसतन इस प्रकार थी:**



**कक्षा 5 में विषयवार सही प्रतिक्रियाएँ
औसतन इस प्रकार थी:**



**कक्षा 8 में विषयवार सही प्रतिक्रियाएँ
औसतन इस प्रकार थी:**



85%
बच्चे समझ सकते थे कि शिक्षक कक्षा में
क्या कहता है।



31%
शिक्षकों के अनुसार स्कूल भवनों को
मरम्मत की अत्यधिक आवश्यकता है।

अधिगम प्रतिफलों का उच्चतम प्रदर्शन

- ई 504: दैनिक जीवन में विभिन्न संस्थानों (वैक, पंचायत, सहकारिता, पुलिस स्टेशन, आदि) की भूमिका और कार्यों की व्याख्या करते हैं (70)
- ई 307: विभिन्न ईंटियों (जैसे दिखावट/ रहने का स्थान / भोजन/ चाल-ढाल / पसंद-नापांद / कोई अन्य विशेषताएँ) का उपयोग करते हुए भिन्नताओं समानताओं के अनुसार बस्तुओं के समूहों, पक्षियों, जानवरों, विशेषताओं, गतिविधियों के समूह बनाते हैं। (71)
- ई 314: अच्छे / तुरे स्पर्श, परिवार के कार्यों / खेलने / भोजन के संबंध में लैंगिक रूढ़ियों, परिवार और स्कूल में भोजन और पानी का दुरुपयोग / अपव्यय पर अपनी राय प्रकट करते हैं। (73)
- एम 309: बिन्दुओं को मिलाकर, सीधी रेखाओं आदि का प्रयोग कर कागज को गोड़कर, कागज काटकर 2 डी-आकृतियों को पहचानते हैं और बनाते हैं। (75)
- एम 319: टैली मार्क्स का उपयोग करके डेटा रिकॉर्ड करता है, सन्ति रूप से दर्शाते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं। (78)

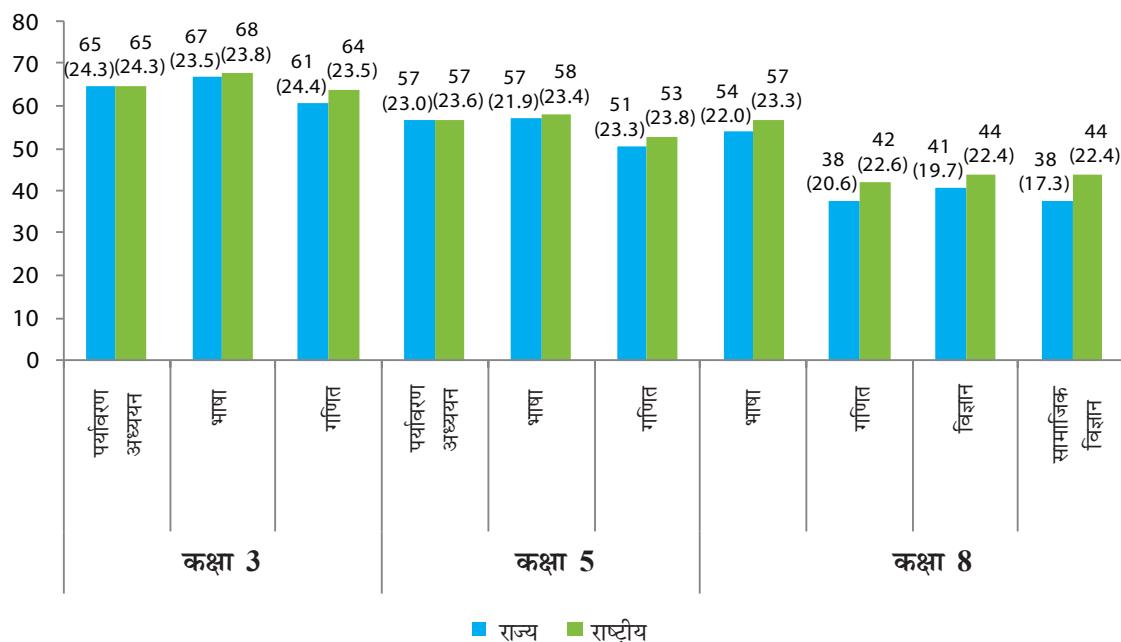
अधिगम प्रतिफलों का निम्नतम प्रदर्शन

- एसएसटी 610: भारत के मानचित्र पर महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थलों, स्थानों का पता लगाते हैं। (19)
- एसएसटी 605: अक्षांश और देशांतर की पहचान करते हैं, उदाहरणतः ध्रुवों, भूमध्य रेखा, उष्णकटिबंधीय, भारत के राज्यों/ सभ राज्य-क्षेत्रों तथा भूमंडल एवं विश्व मानवित्र पर अन्य पड़ोसी देश। (20)
- एसएसटी 816: औपनिवेशिक काल के दौरान भारत में पहले से मौजूद शहरी केंद्रों और हस्तशिल्प उद्योगों की गिरावट और नए शहरी केंद्रों तथा उद्योगों के विकास का विश्लेषण करते हैं। (21)
- एम 710: प्रतिशत से भिन्न अंक और दशमलव तथा विलोमतः में परिवर्तन से संबंधित समस्याओं को हल करते हैं। (24)
- एसएसटी 823: किसी निश्चित स्थिति में उनके उल्लंघन, संरक्षण और संवर्धन के बारे में जानने के लिए मौलिक अधिकारों का ज्ञान लागू करते हैं। (24)

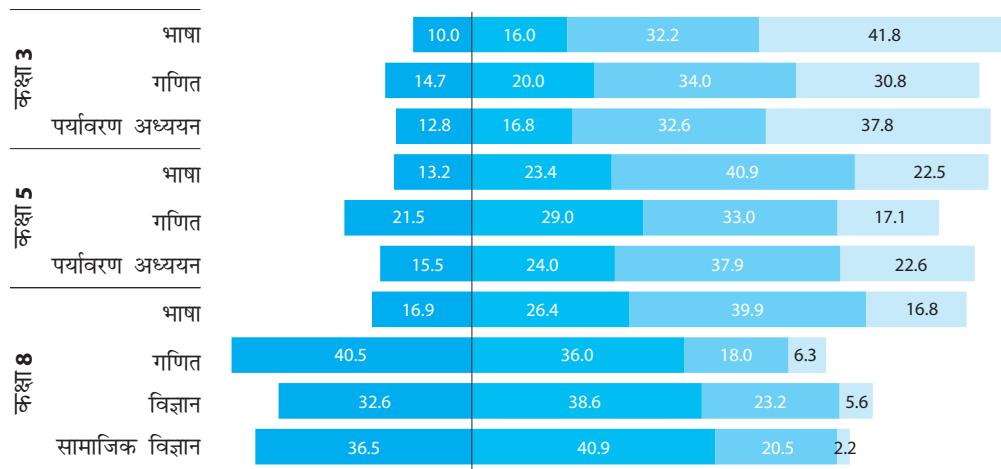
प्रतिभागिता



कक्षाओं और विषयों द्वारा औसत उपलब्धि



कक्षाओं और विषयों द्वारा विद्यार्थियों की औसत उपलब्धि का वितरण



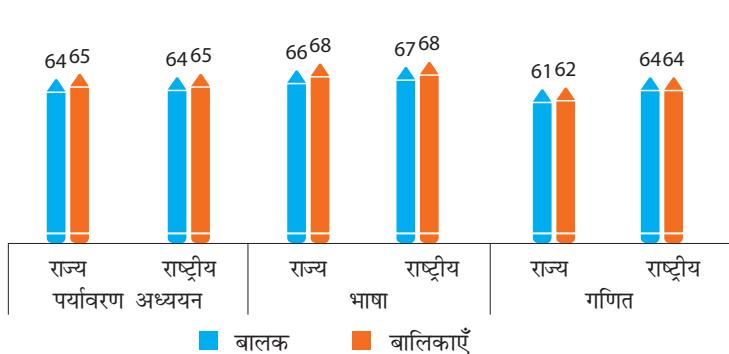
■ 30% तक ■ 30 से 50% ■ 50 से 75% ■ 75% से ऊपर

उदाहरणार्थ कक्षा 3 की भाषा में, 30% तक के छात्रों का प्रतिशत 10.0 है, 30%-50% के बीच 16.0 है, 50%-75% के बीच 32.2 है और 75% से ऊपर 41.8 है।

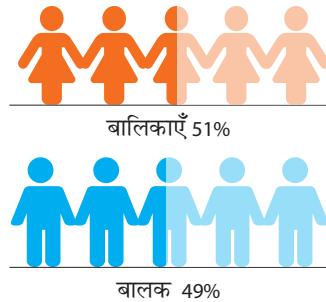
छात्र समूहों द्वारा कक्षा 3 के राज्य परिणाम

निष्पादन

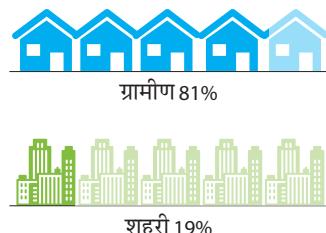
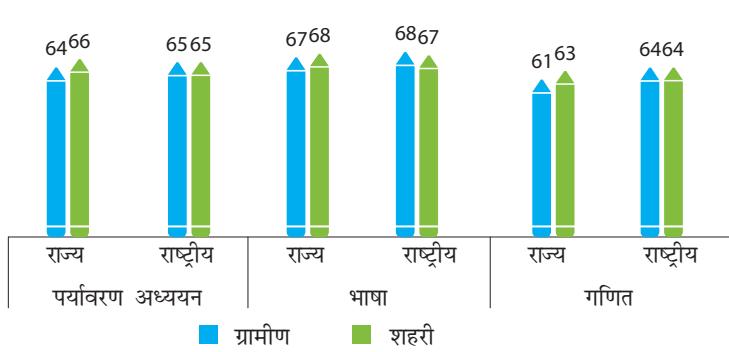
जैंडर द्वारा



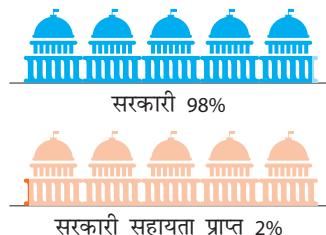
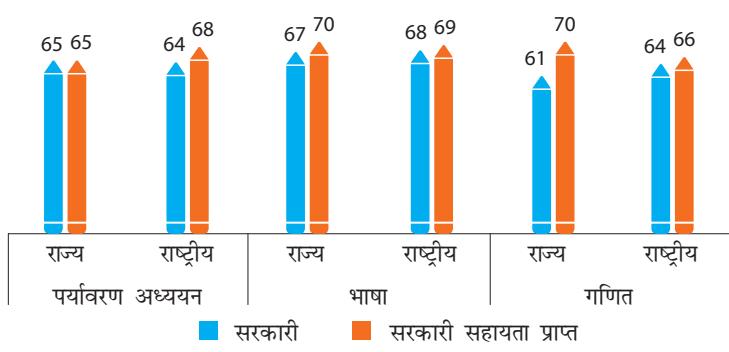
प्रतिभागिता



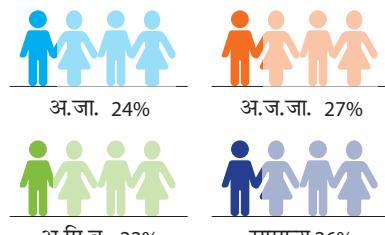
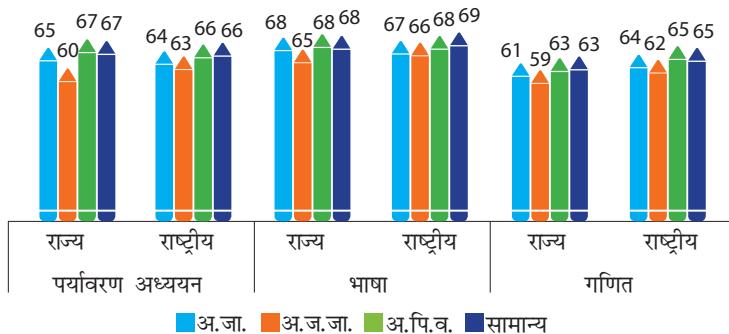
स्कूल स्थल द्वारा



स्कूल प्रबंधन द्वारा



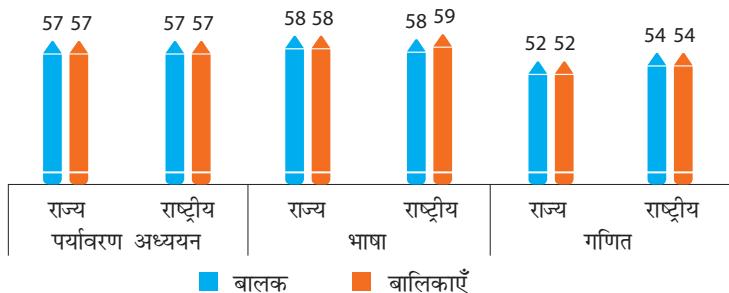
सामाजिक समूहों द्वारा



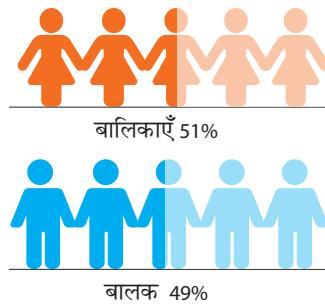
छात्र समूहों द्वारा कक्षा 5 के राज्य परिणाम

निष्पादन

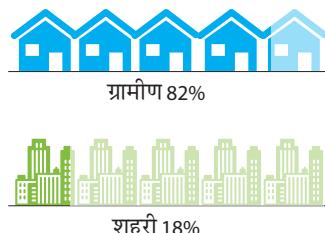
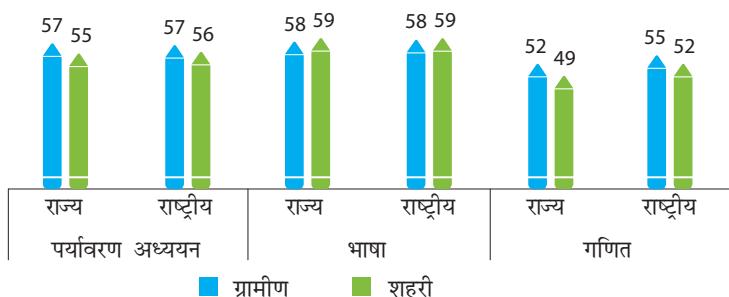
जैंडर द्वारा



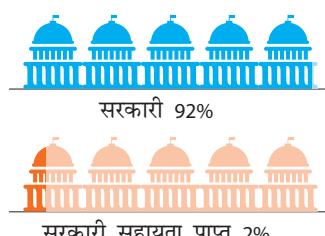
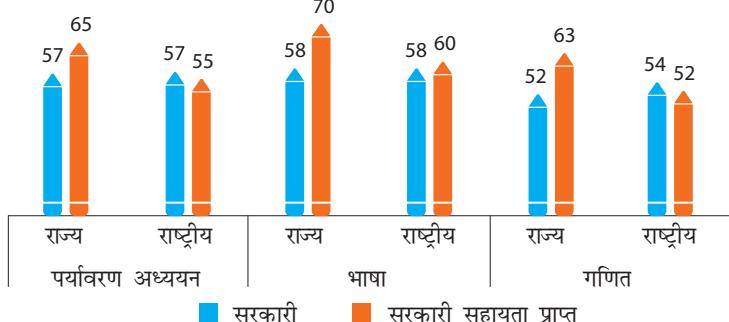
प्रतिभागिता



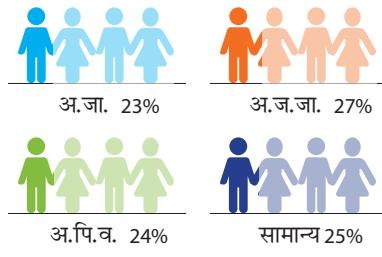
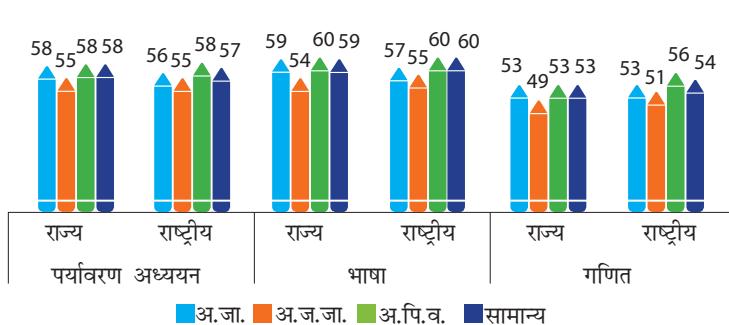
स्कूल स्थल द्वारा



स्कूल प्रबंधन द्वारा



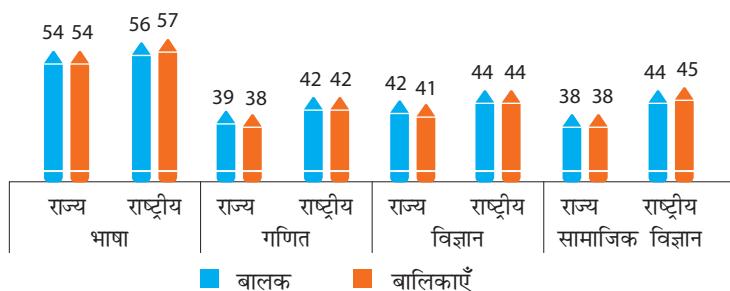
सामाजिक समूहों द्वारा



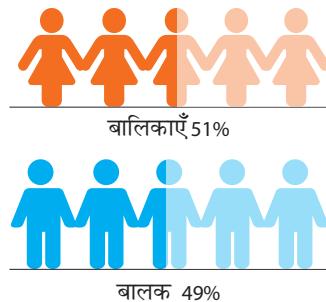
छात्र समूहों द्वारा कक्षा 8 के राज्य परिणाम

निष्पादन

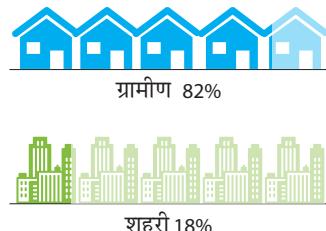
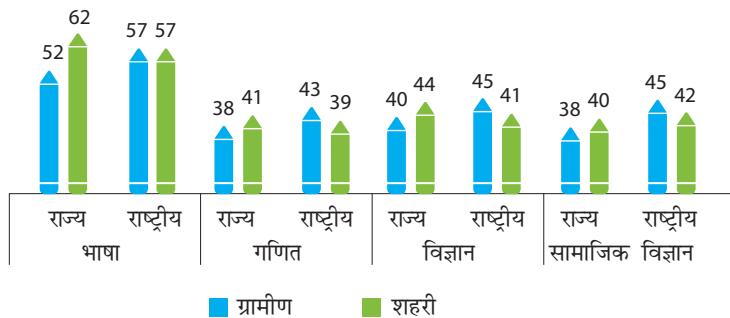
जैंडर द्वारा



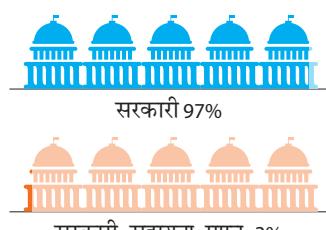
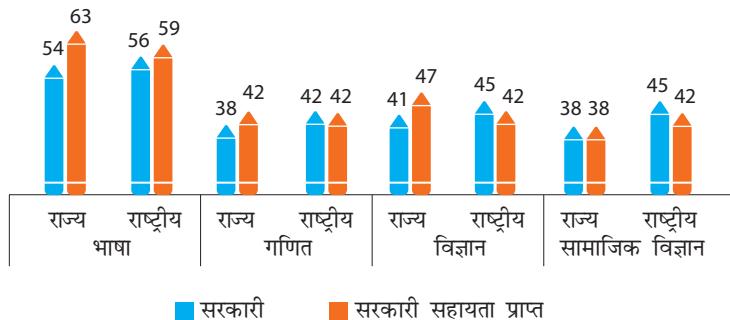
प्रतिभागिता



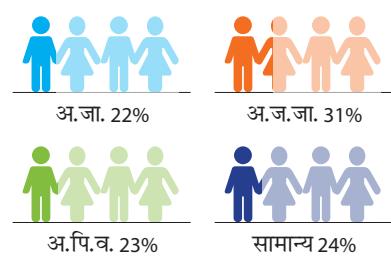
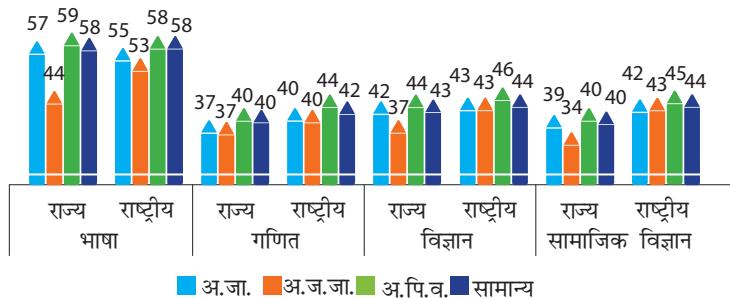
स्कूल स्थल द्वारा



स्कूल प्रबंधन द्वारा



सामाजिक समूहों द्वारा



बच्चे स्कूलों के बारे में क्या कहते हैं?



97% बच्चे स्कूल में आना पसंद करते हैं।



कक्षा 3 में 25% और कक्षा 5 में 23% और कक्षा 8 में 22% छात्रों को स्कूल की यात्रा करना मुश्किल लगता है।

कक्षा 3 में 81% बच्चे,

कक्षा 5 में 84% बच्चे और

कक्षा 8 में 85% बच्चे समझ सकते थे कि शिक्षक कक्षा में क्या कहते हैं।



कक्षा 3 में 71% छात्रों के लिए, कक्षा 5 में 65% और कक्षा 8 में छात्रों के लिए घर पर और शिक्षकों द्वारा प्रयोग की जाने वाली भाषा समान है।



कक्षा 3 में 82% और कक्षा 5 में 85% छात्र और कक्षा 8 में 79% छात्र खेल की अवधि के दौरान बाहर जाते हैं और खेलते हैं।

शिक्षकों ने क्या उत्तर दिये?

 कक्षा 3 में **47%** शिक्षक,
 कक्षा 5 में **44%** और
 कक्षा 8 में **70%** उन्हीं विषयों
 को पढ़ाते हैं जो उन्होंने अपने
 उच्च अध्ययन के दौरान अपनाए।



राज्य में **36%** शिक्षक पूरी तरह से
 पाठ्यक्रम के लक्ष्यों को समझते हैं।



20%



26%



31%



39%

शिक्षकों ने उत्तर दिया
 कि शौचालय की पर्याप्त
 सुविधा का अभाव है।

शिक्षकों ने उत्तर दिया
 कि पीने के पानी की
 सुविधा का अभाव है।

शिक्षकों ने उत्तर दिया
 कि स्कूल भवनों की
 मरम्मत की अत्यधिक
 आवश्कता है।

शिक्षकों ने उत्तर दिया
 कि बिजली का अभाव
 है।



राज्य में **24%** शिक्षकों ने कहा कि
 उनके पास अत्यधिक कार्यभार है।



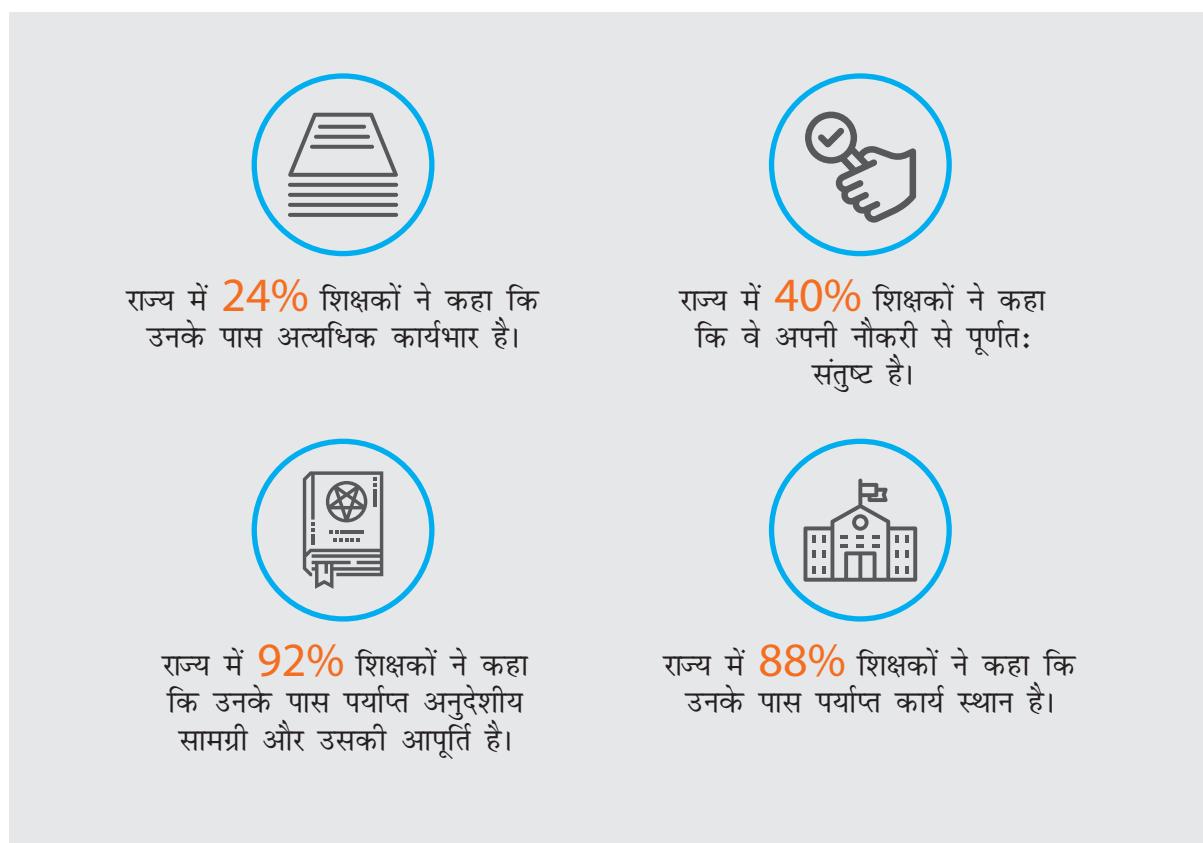
राज्य में **40%** शिक्षकों ने कहा
 कि वे अपनी नौकरी से पूर्णतः
 संतुष्ट हैं।



राज्य में **92%** शिक्षकों ने कहा कि
 उनके पास पर्याप्त अनुदेशीय
 सामग्री और उसकी आपूर्ति है।



राज्य में **88%** शिक्षकों ने कहा कि
 उनके पास पर्याप्त कार्य स्थान है।



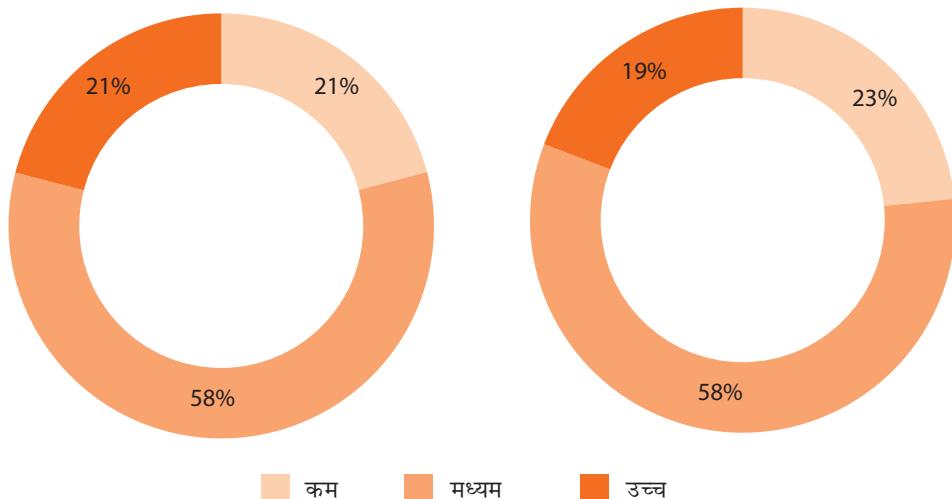
शिक्षक कक्षा में बच्चों का आंकलन कैसे करते हैं?

	कभी नहीं (% में)	कुछ पाठ के लिए (% में)	सभी पाठ के लिए (% में)
मौखिक परीक्षा	8	35	57
लिखित परीक्षा	3	29	67
बहुविकल्पीय चयन प्रकार	4	28	68
अवलोकन	4	30	66
गृह कार्य	4	40	56
छात्र स्वयं मूल्यांकन	10	56	34
परियोजना कार्य	5	53	42
सहकर्मी मूल्यांकन	16	59	25
पोर्टफोलियो	25	50	25

अभिभावकों की भागीदारी के बारे में शिक्षक क्या कहते हैं?

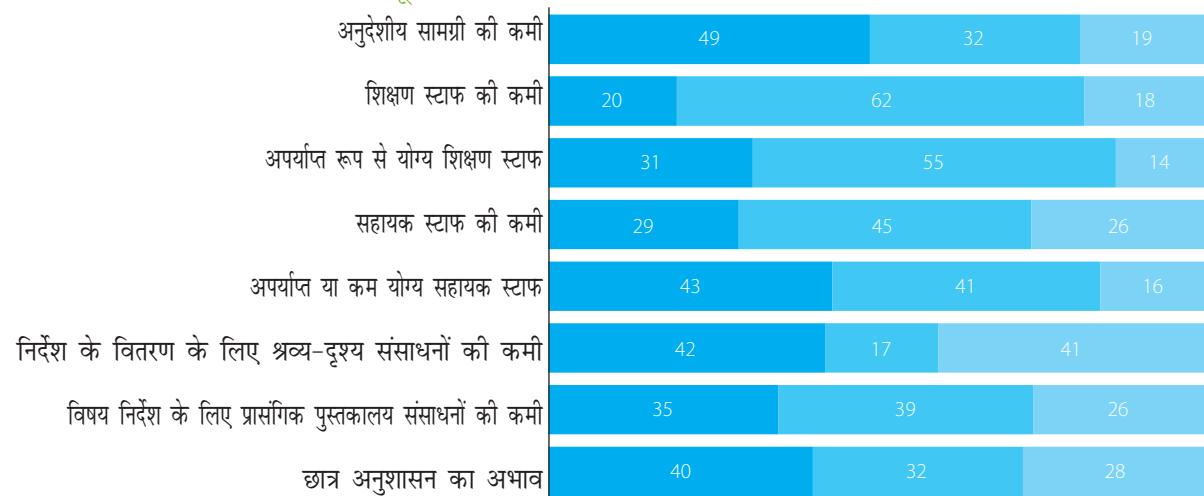
छात्रों की उपलब्धि के लिए माता-पिता का सहयोग

स्कूल के कार्यकलापों में अभिभावक की भागीदारी



प्रधान अध्यापक ने क्या उत्तर दिए?

कमी या अपर्याप्तता से प्रभावित स्कूल के कार्यकलाप



■ अप्रभावित ■ आंशिक रूप से प्रभावित ■ पूरी तरह प्रभावित

उदाहरणार्थ: 49% प्रधान शिक्षक ने उत्तर दिया कि स्कूल के कार्यकलाप अनुदेशीय सामग्री की कमी से प्रभावित नहीं है।

ज़िले का औसत प्रदर्शन

कक्षा 3

जिले का नाम	जिले का औसत
दक्षिणी त्रिपुरा	74
खोवाई	64
सिपाहीजाला	64
उत्तर त्रिपुरा	64
गोमती	63
पश्चिम त्रिपुरा	63
उनाकोटि	57
धलाई	57

कक्षा 5

जिले का नाम	जिले का औसत
खोवाई	58
सिपाहीजाला	58
दक्षिणी त्रिपुरा	57
उनाकोटि	55
गोमती	54
उत्तर त्रिपुरा	54
धलाई	52
पश्चिम त्रिपुरा	52

कक्षा 8

जिले का नाम	जिले का औसत
खोवाई	44
दक्षिणी त्रिपुरा	44
गोमती	43
सिपाहीजाला	42
उत्तर त्रिपुरा	42
उनाकोटि	41
पश्चिम त्रिपुरा	41
धलाई	39

एलओ कोड	अधिगम प्रतिफल कक्षा 3	औसत प्रदर्शन (प्रतिशत में)
एम 311	किसी दिए गए आकार की टाइल का उपयोग करके रिक्त स्थान छोड़े बिना किसी दिए गए क्षेत्र को भरते हैं।	33
एम 312	सेंटीमीटर या मीटर जैसी मानक इकाइयों का उपयोग करके लंबाई और दूरी का अनुमान लगाते हैं और मापते हैं तथा संबंधों की पहचान करते हैं।	41
एम 317	घड़ी/हाथ की घड़ी का प्रयोग करते हुए सटीक समय का पता लगाते हैं।	70
एम 318	सरल आकृतियों और संख्याओं में पैटर्नों का विस्तार करते हैं।	49
एम 319	टैली मार्क्स का उपयोग करके डेटा रिकॉर्ड करते हैं, सचित्र रूप से दर्शाते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं।	78

एलओ कोड	अधिगम प्रतिफल कक्षा 5	औसत प्रदर्शन (प्रतिशत में)
एम 421	एकत्रित जानकारी को तालिकाओं और बार ग्राफ में प्रस्तुत करते हैं और इनसे निष्कर्ष निकालते हैं।	57
एम 501	उनके आसपास में प्रयुक्त हाने वाली 1000 से बड़ी संख्याओं को पढ़ते हैं और लिखते हैं।	61
एम 504	संख्याओं के योग, अंतर, गुणनफल और भागफल का आंकलन करते हैं और मानक एल्गोरिदम अथवा संख्या के विघटन का उपयोग करके तथा संचालन का उपयोग करने जैसी विभिन्न कार्यनीतियों का प्रयोग करते हुए इसका सत्यापन करते हैं।	55
एम 505	किसी संकलन के भाग से समरूपी संख्या का पता लगाते हैं।	58
एम 506	किसी दिए गए भिन्न अंक को पहचानते हैं और उसके समतुल्य भिन्न अंकों को बनाते हैं।	38
एम 508	भिन्न अंकों को दशमलव भिन्न अंकों में और विलोमतः परिवर्तित करते हैं।	51
एम 509	कोणों को समकोण, चून कोण, अधिक कोण में वर्गीकृत करते हैं और आरेखण और अनुरेखण द्वारा उसी को प्रस्तुत करते हैं।	45
एम 512	लंबाई, भार एवं आयतन के अलग-अलग आमतौर पर उपयोग की जाने वाली बड़ी और छोटी इकाइयों को संबंधित करते हैं और बड़ी इकाइयों को छोटी इकाइयों तथा विलोमतः में परिवर्तित करते हैं।	51
एम 513	किसी ठोस वस्तु के आयतन का अनुमान ज्ञात इकाइयों में लगाते हैं।	35
एम 514	धन, लंबाई, द्रव्यमान, क्षमता और समय अंतरालों सहित समस्याओं को हल करने में चार मौलिक अंकगणितीय संचालनों को लागू करते हैं।	46
एम 515	त्रिकोणीय संख्या और वर्ग संख्या में पैटर्न की पहचान करते हैं।	43
एम 516	विभिन्न दैनिक जीवन परिस्थितियों से संबंधित डेटा एकत्रित करते हैं, इसे एक सारणीबद्ध और बार ग्राफ रूप में दर्शाते हैं तथा इसकी व्याख्या करते हैं।	49

एलओ कोड	अधिगम प्रतिफल कक्षा 8	आौसत प्रदर्शन (प्रतिशत में)
एसएसटी 827	किसी कानून (जैसे घरेलू हिंसा अधिनियम, सूचना का अधिकार अधिनियम, शिक्षा का अधिकार अधिनियम) को बनाने की प्रक्रिया का वर्णन करते हैं।	25
एसएसटी 831	सार्वजनिक सुविधाएं जैसे पानी, स्वच्छता, सड़क, बिजली आदि प्रदान करने उनकी उपलब्धता का पता करने में सरकार की भूमिका की पहचान करते हैं।	30
एसएसटी 833	विभिन्न देशों / भारत / राज्यों की जनसंख्या दर्शाने के लिए बार आरेख बनाते हैं।	52

मुख्य दल

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

सुश्री रीना रे, सचिव, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता, एस ई एण्ड एल

श्री अनिल स्वरूप, पूर्व सचिव, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता, एस ई एण्ड एल, (30 जून 2018 तक)

सुश्री अनीता करवाल, अध्यक्ष, सीबीएसई और अध्यक्ष, एनसीटीई

श्री मनीष गर्ग, संयुक्त सचिव, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता, एस ई एण्ड एल

श्री गिरीश चंद्रशेखर होसुर, पूर्व निदेशक, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता, एस ई एण्ड एल (30 मार्च 2018 तक)

श्री रजनीश कुमार, निदेशक, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता, एस ई एण्ड एल

सुश्री आर. सावित्री, डीडीजी, सार्विकी

एनसीईआरटी

प्रोफेसर हथिकेश सेनापति, निदेशक, एनसीईआरटी

प्रोफेसर इंद्राणी भादुरी, प्रमुख, ईएसडी और राष्ट्रीय समन्वयक एनएएस

प्रोफेसर श्रीधर श्रीवास्तव, प्रोफेसर, ईएसडी

प्रोफेसर वीर पाल सिंह, प्रोफेसर, ईएसडी

प्रोफेसर ए.डी. तिवारी, प्रोफेसर, ईएसडी

डॉ. प्रतिमा कुमारी, एसोसिएट प्रोफेसर

डॉ. सुखविन्दर, सहायक प्रोफेसर

डॉ. विशाल डा. पजनकर, सहायक प्रोफेसर

डॉ. सत्य भूषण, सहायक प्रोफेसर

डॉ. गुलफाम, सहायक प्रोफेसर

श्री एन.एल. श्रीनिवास, वरिष्ठ प्रणाली विश्लेषक

मुहम्मद आरिफ सादिक, प्रोग्रामर

श्री विश्व बन्धु, प्रोग्रामर

संयुक्त राष्ट्र संघ / बाह्य

डॉ. रुद्र साह, शिक्षा विशेषज्ञ, यूनिसेफ

राज्य पदाधिकारी

राज्य शिक्षा निदेशालय, एससीईआरटी, एसआईई, डीआईईटी, स्कूल

परीक्षाएँ

किसी विद्यार्थी विशेष का पाठ्यचर्या के किसी विषय में ज्ञान अथवा दक्षता का एक औपचारिक परीक्षण है। परीक्षाओं के परिणाम विद्यार्थी विशेष के लिए लागू होते हैं जो उनको माध्यम से प्रगति करने अथवा उच्च शिक्षा/रोजगार के लिए लागू करने में सक्षम बनाते हैं। कुल मिलाकर परीक्षा परिणाम स्कूल में अधिगम के पाठ्यक्रम के किसी वर्ष के अंत में विद्यार्थियों के प्रदर्शन की समग्र तस्वीर है। परीक्षा परिणाम विद्यार्थियों के उच्च या निम्न उपलब्धि के पीछे के कारणों को इंगित नहीं करते हैं।

उपलब्धि सर्वेक्षण

उपलब्धि सर्वेक्षण विद्यार्थियों के किसी प्रदर्शक नमूने की ओर अधिगम का एक परिमाण प्रदान करते हैं। वे पाठ्यचर्या के विभिन्न विषयों में किसी विशिष्ट ग्रेड स्तर पर विद्यार्थियों की योग्यता (विद्यार्थी क्या जानते हैं और क्या कर सकते हैं) द्वारा उनका वर्गीकरण होने देते हैं। राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण पृष्ठभूमि कारकों (स्कूल, घर, शिक्षक) की एक श्रृंखला पर आधारित, उपलब्धि विश्लेषण करते हुए शिक्षा व्यवस्था की “स्वास्थ्य जाँच” प्रदान करते हैं। वे संभवतया विद्यार्थी अधिगम के संवर्धन में चुनौतियों को संबोधित करने के लिए नीति निर्माताओं और पेशेवरों को सक्षम बनाते हैं।

किसी भी स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें:

प्रोफेसर इंद्राणी भादुरी

अध्यक्ष, शैक्षिक सर्वेक्षण प्रभाग

समन्वयक, राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएस)

एनसीईआरटी, नई दिल्ली

मोबाइल नं. : 919718106995

ईमेल आईडी: esdhead@gmail.com, indranibhaduri@gmail.com

www.ncert.nic.in www.schooleduinfo.in

